8.63 करोड़ रुपये की सब्सिडी मंजूर की गई है कश्मीर पैकेज के तहत। उद्योग व वाणिज्य विभाग के प्रमुख सचिव नवीन कुमार चौधरी की अध्यक्षता में प्रदेश स्तरीय कमेटी की बैठक में मंजूरी दी गई। इसमें जम्मू संभाग के 4.64 करोड़ तथा कश्मीर संभाग के 3.99 करोड़ के सब्सिडी केस मंजूर किए गए।

राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
सोमवार 9 दिसंबर 2019

धनोआ के सम्मान में राफेल के टेल नंबर में होंगे 'बीएस' अक्षर

तैयारी ▶ सौदे को साकार करने में पूर्व वायुसेना प्रमुख की थी अहम भूमिका

छह राफेल प्रशिक्षक विमानों में 'टेल नंबर' में 'आरबी' शृंखला है

- फ्रांस की कंपनी दासौ एविएशन से 59 हजार करोड़ रुपये में 36 राफेल विमान खरीदने को लेकर काफी राजनीतिक विवाद हुआ है
- 36 राफेल विमानों में से छह विमान प्रशिक्षक हैं जबकि 30 विमान लड़ाकू हैं

नई दिल्ली, प्रेट्र: वायुसेना ने अपने पूर्व प्रमुख एयर चीफ मार्शल (सेवानिवृत्त) बीएस धनोआ को सम्मान देते हुए 30 राफेल लड़ाकू विमानों के पिछले हिस्से पर 'टेल नंबर' में 'बीएस' लिखने का फैसला किया है, जो धनोआ के नाम के अक्षर हैं। अभी छह राफेल प्रशिक्षक विमानों में 'टेल नंबर' में 'आरबी' शृंखला है। यह मौजूदा वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल आरकेएस भदौरिया के नाम के अक्षर हैं।

धनोआ ने राफेल विमान खरीद का करार कराने में वार्ताकार के तौर पर अहम भूमिका निभाई थी। फ्रांस की कंपनी दासौ एविएशन से 59 हजार करोड़ रुपये में 36 राफेल विमान खरीदने को लेकर काफी राजनीतिक विवाद हुआ है। यह विवाद धनोआ के वायुसेना प्रमुख रहने के दौरान अपने चरम पर था। हालांकि, उन्होंने मजबूती के साथ करार का बचाव किया था। उन्होंने हमेशा कहा कि करार बिल्कुल सही तरीके से हुआ है।

बीएस धनोआ। फाइल

पीटीआइ से वायुसेना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'प्रशिक्षक राफेल विमानों को छोड़कर सभी राफेल लड़ाकू विमानों के टेल नंबर में 'बीएस' अक्षर होंगे। पूर्व वायुसेना प्रमुख ने हमें ये विमान दिलाने के लिए जो भूमिका निभाई है, उसके लिए उन्हें धन्यवाद कहने का यह हमारा तरीका है।' 36 राफेल विमानों में से छह विमान प्रशिक्षक हैं जबकि 30 विमान लड़ाकू हैं। प्रशिक्षक विमान दो सीट वाले होंगे और उनमें लगभग ये सभी चीजें होंगी जो लड़ाकू विमानों में होंगी। ये राफेल विमान मिटियोर और स्काल्प मिसाइलों से लैस हैं।

41 वर्षों की सेवा के बाद सेवानिवृत्त हुए थे धनोआ

धनोआ वायुसेना में अपनी 41 वर्षों की सेवा के बाद सितंबर में सेवानिवृत्त हो गए थे। उन्होंने कहा था कि करार में कुछ भी गलत नहीं हुआ और वायुसेना को अपनी लड़ाकू क्षमताओं को बढ़ाने के लिए विमानों की जरूरत है। राफेल विमान आधुनिक हथियारों से लैस हैं। तीन राफेल विमान पहले भारत को सौंपे जा चुके हैं और फ्रांस में भारतीय वायुसेना के पायलटों को प्रशिक्षण देने के लिए इनका इस्तेमाल हो रहा है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आठ अक्टूबर को फ्रांस में पहला राफेल विमान प्राप्त किया था। चार राफेल विमानों की पहली खेप मई 2020 तक भारत आ जाएगी।

भारतीय उपग्रहों को मलबे से सुरक्षित रखने वाले प्रोजेक्ट को 33 करोड़

नई दिल्ली, प्रेट्र : सरकार ने अंतरिक्ष में भारतीय उपग्रहों को मलबे और अन्य खतरों से सुरक्षित रखने वाले इसरो के 'प्रोजेक्ट नेत्र' के लिए 33.30 करोड़ रुपये के अनुदान का प्रस्ताव किया है। अनुदान की पूरक मांगों के दस्तावेज से यह जानकारी मिली है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अनुदान के लिए प्रस्ताव रखा था जिसे पिछले सप्ताह लोकसभा ने पारित कर दिया। सितंबर में भारत ने अंतरिक्ष में अपने उपग्रहों एवं अन्य संपत्तियों के मलबे एवं अन्य वस्तुओं से सुरक्षा के लिए प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली नेत्र (नेटवर्क फॉर स्पेस आब्जेक्ट) लांच किया था। इस पर 400 करोड़ रुपये की लागत का अनुमान है। वैज्ञानिकों का कहना है कि मानव की 50 वर्षों की अंतरिक्ष खोज ने पृथ्वी की कक्षा में कचरे की एक पट्टी बना दी है जो मानव निर्मित उपग्रहों के लिए खतरा है। भूस्थैतिक कक्षा में इस समय भारत के 15 संचार उपग्रह सक्रिय हैं। इसके अलावा निम्न भू कक्षा (2,000 किलोमीटर के दायरे) में 13 रिमोट सेंसिंग उपग्रह तथा पृथ्वी की मध्यम कक्षा में आठ नेविगेशन उपग्रह स्थापित हैं। इसके अलावा भी कई छोटे उपग्रह अंतरिक्ष में मौजूद हैं।

सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के पूर्व वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. एमवाईएस प्रसाद ने कहा कि भारत एक जिम्मेदार अंतरिक्ष शक्ति है और इस तरह की निगरानी क्षमता अंतरिक्ष संपत्ति की सुरक्षा के लिए जरूरी है। एक रिपोर्ट के अनुसार करीब 17000 मानव निर्मित वस्तुएं अंतरिक्ष में निगरानी में हैं। इनमें से सात फीसद सक्रिय हैं।

श्रीनगर में हवाई सेवा पर कोहरा हावी तीसरे दिन भी सभी फ्लाइट रद

- यात्रियों को दरवदर होना पड़ रहा, नहीं आ रही कोई फ्लाइट
- शनिवार को 27 फ्लाइट तो गत शुक्रवार को 11 फ्लाइट रद हुई थी

राज्य ब्यूरो, जम्मू

श्रीनगर में घने कोहरे का असर हवाई सेवा पर पड़ रहा है। लगातार तीसरे दिन रविवार को श्रीनगर एयरपोर्ट से उड़ने वाली सभी फ्लाइट रद कर दी गईं। वहीं, बाहर से भी कोई फ्लाइट नहीं आईं। इससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

रविवार को श्रीनगर एयरपोर्ट से 28 फ्लाइट रवाना होनी थी। कुछ फ्लाइट सेना के जवानों के लिए थी। कम रेशनी के कारण सभी फ्लाइट रद कर दी। कई यात्री एयरपोर्ट पहुंच गए थे, लेकिन जानकारी मिलते लौटना पड़ा। शनिवार को श्रीनगर से उड़ने वाली 27 फ्लाइट रद कर दी गई थी। गत शुक्रवार को 11 फ्लाइट रद हुई थी, जिस कारण एयरपोर्ट पर सैकड़ों यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। विस्तारा एयरवेज ने सभी यात्रियों से खराब मौसम के कारण श्रीनगर के लिए रद हुई फ्लाइटों के लिए क्षमा मांगी थी।

उनके अनुसार धुंध व पर्याप्त रोशनी न होने से दिल्ली से श्रीनगर जाने वाली यूके-611 फ्लाइट और श्रीनगर से दिल्ली रवाना होने वाली यूके-612 को रद कर दिया। इंडिगो एयरलाइन ने भी यात्रियों से एयरपोर्ट रवाना होने से पूर्व फ्लाइट से संबंधित जानकारी हासिल करने की सलाह दी। बेंगलुरु से पत्नी के साथ श्रीनगर जा रहे नितिन ने कहा कि वह सुबह ही दिल्ली एयरपोर्ट पर पहुंचे।

इन्हें यहां से श्रीनगर के लिए फ्लाइट लेनी थी परंतु पता चला की खराब मौसम के कारण श्रीनगर की सभी फ्लाइट रद कर दी गई हैं। उन्हें श्रीनगर जाने का कार्यक्रम रद करना पड़ रहा है। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के अधिकारियों ने कहा कि घने कोहरे के कारण सभी फ्लाइट रद हो गईं।

जमने लगी डल झील, द्रास में पारा माइनस 26

जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। श्रीनगर की प्रसिद्ध डल झील जमने लगी है। जबकि लद्दाख के कारगिल जिले के द्रास क्षेत्र में तापमान शून्य से 26 डिग्री सेल्सियस तक नीचे चला गया। श्रीनगर में शनिवार की रात सबसे अधिक ठंडी रही। न्यूनतम तापमान माइनस चार डिग्री रहा। बढ़ती ठंड का असर डल झील पर भी हुआ और यह मामूली रूप से जमी हुई थी। घरों के नलों का पानी भी जमा हुआ था। पहलगाम में माइनस 6.3 डिग्री, गुलमर्ग में माइनस 5.3 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया। जम्मू में न्यूनतम तापमान आठ डिग्री और माता वैष्णो देवी के आधार शिविर कटड़ा में न्यूनतम तापमान 8.2 डिग्री से दर्ज किया गया।

अस्पताल से 28 दिन बाद घर आई लता

मुंबई, प्रेट्र : भारत की स्वर कोकिला लता मंगेशकर 28 दिन बाद अस्पताल से लौट आई हैं। भारत रत्न लता को 11 नवंबर को सांस में दिक्कत की शिकायत के बाद यहां के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जांच के बाद उन्हें न्यूमोनिया होने की बात सामने आई थी। रविवार को घर वापसी के बाद उन्होंने प्रार्थनाओं एवं शुभकामनाओं के लिए प्रशंसकों का धन्यवाद किया।

लता ने कहा, 'पिछले 28 दिन से मैं ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती थी। मुझे न्यूमोनिया हुआ था। चिकित्सकों की राय थी कि मुझे अस्पताल में कुछ समय रुकना चाहिए और पूरी तरह स्वस्थ होने के बाद ही घर जाना चाहिए। आज मैं माई-बाबा के आशीर्वाद से घर वापस आ गई हूं। मैं अपने शुभचिंतकों की हृदय से आभारी हूं। आपकी प्रार्थनाओं और शुभकामनाओं ने असर दिखाया। मैं आप सबको नमन करती हूं।' लता ने अपना इलाज करने वाले डॉक्टरों को भी धन्यवाद दिया। 28 सितंबर, 1942 को जन्मी लता मंगेशकर को भारत रत्न, पद्म विभूषण, पद्म भूषण और दादासाहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। उन्होंने 20 से ज्यादा भारतीय भाषाओं में 25,000 से ज्यादा गाने गाए हैं।

प्रशंसकों ने जताई खुशी : लता मंगेशकर के स्वस्थ होने और घर वापस आने की खबर के बाद प्रशंसकों में भी खुशी की लहर देखी गई। लोगों ने सोशल मीडिया पर अपनी शुभकामनाएं दीं। एक यूजर ने लिखा, 'यह जानकर खुशी हुई कि आप स्वस्थ हैं। तुम जियो हजारों साल।' एक अन्य यूजर ने लिखा, 'आप हमेशा खुश रहें।'

न्यूज गैलरी

वडोदरा में नाबालिग से दुष्कर्म में दो गिरफ्तार

अहमदाबाद : वडोदरा में 14 वर्षीय किशोरी के साथ सामूहिक दुष्कर्म के मामले में अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने रविवार को दो लोगों को गिरफ्तार किया। आरोपितों की पहचान किशन मवासूर्या (28) और जासो सोलंकी (21) के रूप में की गई है। लड़की के साथ सामूहिक दुष्कर्म की वारदात को 28 नवंबर को अंजाम दिया गया था। प्रेट्र

भाई की हत्या में महिला गिरफ्तार

मुंबई : जीजा की मदद से भाई की हत्या करने के बाद शव को ठिकाने लगाने के आरोप में 29 वर्षीय एक महिला को गिरफ्तार किया गया है। आरोपित रेशमा सुशील ओहाल ने पुलिस को बताया कि भाई देवेंद्र अखाड़े बैरोजगार था और शराब पीने का आदी था। इतना ही नहीं वह परिजनों को मारता-पीटता था। पिछले रविवार को जीजा की सहायता से देवेंद्र का गला घोंटने के बाद उसका शव वेंबूर रेलवे ट्रैक के पास फेंक दिया। प्रेट्र

वाइक सवार युवकों ने लूटा 50 किलोग्राम प्याज

गोरखपुर : गोरखपुर स्थित अलहदादपुर तिराहे पर रविवार दोपहर बाइक सवार युवकों ने रिक्शा चालक को धमकी देकर 50 किलोग्राम प्याज लूट लिया। राजघाट पुलिस युवकों की तलाश कर रही है। रहमतनगर निवासी फिरोज अहमद राईन आलू-प्याज के थोक व्यापारी है। महेवा मंडी में उनकी दुकान है। कुशीनगर के जगदीशपुर का रहने वाला यमुना उनकी दुकान पर काम करता है। रविवार दोपहर एक बजे यमुना दुकान से रिक्शे पर सात बोरी प्याज लेकर गोलघर के एक होटल में आ रहा था। अलहदादपुर तिराहे के पास बाइक सवार दो युवकों ने रिक्शा रोका और यमुना को जान से मारने की धमकी देकर एक बोरी प्याज (50 किलोग्राम) लेकर पांडेयहाता की तरफ फरार हो गए। (जासं)

साध्वी प्राची ने पं. नेहरू पर की आपत्तिजनक टिप्पणी

मेरठ : अपने विवादित बयानों से सुर्खियां बटोरने वाली साध्वी प्राची एक बार फिर सीमाएं लांघ गईं। एक निजी कार्यक्रम में रविवार को मेरठ पहुंचीं साध्वी ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी का यह बयान कि आज देश दुष्कर्म की घटनाओं की राजधानी बन गया है, दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्हें इसके लिए माफी मांगनी चाहिए। साध्वी यहीं नहीं रुकीं। उन्होंने देश में इस तरह के माहौल के लिए जवाहर लाल नेहरू को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने दुष्कर्म की घटनाओं को लेकर उन पर आपत्तिजनक टिप्पणी भी की। (जासं)

पुलवामा मुठभेड़ में वांछित चालक का आत्मसमर्पण

राज्य ब्यूरो, जम्मू : पुलवामा के द्रबशाला में आतंकियों की मदद करने वाले वांछित चालक ने शनिवार रात को बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स के समक्ष आत्मसमर्पण किया। उससे पूछताछ जारी है। 25 नवंबर को सुरक्षाबलों ने द्रबशाला में मुठभेड़ के दौरान हिजबुल मुजाहिदीन के दो आतंकवादियों इरफान अहमद शेख और इरफान अहमद राथर को मार गिराया था। जांच में पता चला कि ये आतंकी किसी की मदद से द्रबशाला तक पहुंचे थे। वहां से चालक 34 वर्षीय मुजफ्फर अहमद निवासी अच्छन पुलवामा में अपने वाहन में बैठाकर आतंकियों को पुलवामा तक पहुंचाया। शनिवार देर शाम चालक ने स्वयं बीएसएफ महानिरीक्षक श्रीनगर के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। उन्होंने कबूल किया कि उसने दोनों आतंकियों को पुलवामा पहुंचाया था। सूत्रों ने बताया कि वानी काफी देर से हिजबुल के लिए काम कर रहा है। इससे पहले वह आतंकी लश्कर-ए-तैयबा का ओवर ग्राउंड वर्कर था। आतंकी गतिविधियों में संलिप्त होने के चलते उसे वर्ष 2010 में पुलिस ने हिरासत में लिया था। उसने आठ महीने कठुआ जेल में सजा काटी है।

एनआइए ने दोदे नहर से बरामद किए पाकिस्तानी ड्रोन के पुर्जे

- पाकिस्तान से ड्रोन से हथियार मंगाने के मामले में 22 सितंबर को गिरफ्तार हुए थे चार आतंकी

जागरण संवाददाता, तरनतारन

पाकिस्तान से ड्रोन से हथियार मंगाने के मामले में पिछले चार दिनों से एनआइए तरनतारन में जांच कर रही है। एनआइए की टीम ने दोदे नहर से पाकिस्तानी ड्रोन के पुर्जे बरामद किए हैं। ये पुर्जे आतंकी रोमनदीप सिंह की निशानदेही पर बरामद किए गए।

करबा चोहला साहिब के समीप 22 सितंबर को खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स के चार आतंकियों की गिरफ्तारी के बाद सामने आया था कि पाकिस्तान से ड्रोन की मदद से पंजाब में असलहा और गोला बारूद पहुंच चुका है। असलहा, गोला बारूद और जाली करंसी की बड़ी खेप के साथ पकड़े गए चारों आतंकियों के तार करबा झब्बाल निवासी रोमनदीप सिंह से जगजाहिर हुए थे।

रोमनदीप कहने को झब्बाल में आटा चक्की चलाता था, परंतु उस पर पंजाब में बेगुनाह लोगों का खून बहाने की योजना बनाने वाले पाकिस्तान में बैठे केजेडएफ के मुखी आतंकी रंजीत सिंह नीटा का हाथ था। ड्रोन नष्ट करने के बाद रोमनदीप सिंह ने सारे मामले की जानकारी नीटा को फोन पर दी थी। शनिवार को गांव दोदे स्थित अपरबारी दोआब नहर में आठ गोताखोरों की टीम ने उस ड्रोन की बैटरी और अन्य पुर्जे बरामद किए, जो अगस्त में बंद राइस मिल में जलाने के बाद फेंके गए थे।

चार पूर्व आतंकियों के तार भी खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स से जुड़े : खडूर साहिब लिंक रोड पर चार सितंबर को हुए बम धमाके के मामले में एनआइए ने अब तक नौ आतंकी गिरफ्तार किए हैं। इनसे पूछताछ में कई ऐसे सुबूत सामने आए हैं, जिनसे पता चला है कि जिले से संबंधित चार पूर्व आतंकियों के तार पाकिस्तान में बैठे खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स के मुखी रंजीत सिंह नीटा के साथ जुड़े हुए हैं। रविवार को एनआइए की टीम ने उन चारों पूर्व आतंकियों का रिकॉर्ड भी स्थानीय पुलिस से कब्जे में लिया। कहा जाता है कि इन चार पूर्व आतंकियों की कॉल डिटेल पाकिस्तान में सामने आई है।

सेना से जुड़ा हो सकता है इंसास राइफल चुराने वाला आरोपित

नईदुनिया, होशंगाबाद : मध्य प्रदेश के पचमढ़ी स्थित सेना शिक्षा कोर से गुरुवार रात तीन बजे दो इंसास राइफल, तीन मैगजीन और बीस कारतूस चुराने वाले आरोपितों में से एक सेना से जुड़ा हो सकता है। सूत्रों के अनुसार, एक आरोपित 2017-2018 में पचमढ़ी में प्रशिक्षण ले चुका है। उसने अपने साथी के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया है। एसपी एमएल ठाराे ने बताया कि पिपरिया के एक एटीएम से रुपये निकालते समय मिले फुटेज से आरोपितों की पहचान हुई है।

सूत्रों के मुताबिक, मामले में पुलिस को कई महत्वपूर्ण सुराग हाथ लगे हैं। आर्मी इंटेलीजेंस, एटीएस व पुलिस की एक टीम पंजाब व हरियाणा में आरोपितों की तलाश कर रही है। वहीं, सेना के अधिकारी गेट पर तैनात जवानों से भी पूछताछ कर रहे हैं। मामले को लेकर सेना शिक्षा कोर प्रशिक्षण के अधिकारियों ने अब तक कोई भी जानकारी नहीं दी है।

एडीजी आशुतोष राय ने बताया कि आरोपित वर्तमान में सेना का जवान है या नहीं, इसकी जानकारी उसके पकड़ में आने के बाद ही हो सकेगी। आरोपितों की तलाशी जारी है।

सीटेट में बिहार के छह सॉल्वर समेत 10 गिरफ्तार

- हर सॉल्वर को मिलने थे ढाई लाख रुपये, एडवांस में दिए गए थे 50 हजार
- दारोगा का बेटा है सरगना, पिछले साल भी हुआ था गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, मुरादाबाद : एसटीएफ बरेली और मुरादाबाद पुलिस ने केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा (सीटेट) में 10 सॉल्वर दबोच लिए। ये अभ्यर्थी की जगह पर परीक्षा दे रहे थे। इनमें छह सॉल्वर बिहार के रहने वाले हैं। गिरोह का सरगना सचिन समेत छह लोग एसटीएफ को चकमा देकर भाग गए।

मुरादाबाद में रविवार को 52 परीक्षा केंद्रों पर सीटेट कराई गई। एसपी ट्रैफिक सतीश चंद्र ने बताया कि सुबह एसटीएफ बरेली के इंस्पेक्टर अजय कुमार यादव को सूचना मिली थी कि मुरादाबाद जिले के थाना मझोला के डी-30 कांशीराम नगर कालोनी निवासी दारोगा डालचंद्र के बेटे सचिन राणा ने बिहार से सॉल्वर बुलाए हैं।

एसटीएफ ने पुलिस के साथ सबसे पहले हिंदू कॉलेज में धावा मारा। यहां से सुशांत सहगल और विक्की कुमार, इसके बाद आशियाना कालोनी के आरआरके स्कूल से मुकेश, मेथोडिस्ट इंटर कॉलेज से चंदन आनंद, पाकबड़ा के वेदराम इंटर कॉलेज से राजमणि, कटघर के सरस्वती विद्या मंदिर स्कूल से चंदन को गिरफ्तार कर लिया। वे सभी बिहार के रहने वाले हैं। इसके अलावा मुरादाबाद के नाजिम, दानिश, विपिन कुमार और अमरोहा के राजकुमार कश्यप को हिंदू डिग्री कॉलेज के बाहर से गिरफ्तार किया गया। गिरोह में शामिल राजकुमार ने अपने लिए भी सॉल्वर बैठाया था। पकड़े गए लोगों के पास एक कार, बाइक, मोबाइल फोन, पहचान पत्र, एटीएम, चेकबुक, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड मिले हैं।

दारोगा का बेटा है सरगना, पिछले साल भी हुआ था गिरफ्तार

गिरोह का सरगना सचिन राणा 2018 में यूपी टेट के दौरान भी पकड़ा गया था। इस बार वह ढाई लाख रुपये में तय करके सॉल्वर लाया था। 50 हजार रुपये सभी को एडवांस में दिए गए थे। बाकी रकम आंसर शीट देखकर दी जानी थी। जिन लोगों के स्थान पर सॉल्वर परीक्षा दे रहे थे, उन्हें भी मुल्जिम बनाया जाएगा।

-अमित पाठक, एसएसपी, मुरादाबाद।

सुप्रीम कोर्ट की महिला अधिवक्ता ने कहा, कभी नहीं आऊंगी रोहतक

- राज्य मंत्री अनूप धानक के समर्थकों पर लगाए दरवाजा तोड़ने के प्रयास के आरोप

जागरण संवाददाता, रोहतक

रोहतक के सर्किट हाउस में शनिवार रात हुई घटना के बाद सुप्रीम कोर्ट की महिला अधिवक्ता ने खुद की जान को खतरा बताया है। उनका कहना है कि हरियाणा में महिलाओं को ऐसा सम्मान मिलता है यह कभी सोचा भी नहीं था। अब वह कभी रोहतक में नहीं आना चाहेंगी। उन्होंने पुलिस पर भी पक्षपात के आरोप लगाए हैं। क्योंकि शिकायत के बाद भी एफआइआर दर्ज नहीं की गई। वहीं पुलिस का तर्क है कि महिला अधिवक्ता को गलतफहमी हुई है। ऐसी कोई घटना नहीं हुई।

मूलरूप से पंजाब के मोहाली की नवरत्न चौधरी सुप्रीम कोर्ट की अधिवक्ता है। शनिवार को वह पीजीआइ में दांत का इलाज कराने के लिए आई थी। शाम चार बजे का अप्वाइंटमेंट था। देर होने के कारण उन्होंने सर्किट हाउस में कमरा लेकर वहीं रुकने का फैसला किया। महिला अधिवक्ता का आरोप है कि रात करीब 10 बजे कुछ लोगों ने उनके कमरे का दरवाजा तोड़ने की कोशिश की। उन्होंने बामुश्किल अपनी जान बचाई। महिला अधिवक्ता ने यह आरोप हरियाणा के राज्य मंत्री अनूप धानक के लोगों पर लगाया है। इस मामले को लेकर देर रात तक सर्किट हाउस में हंगामा चलता रहा, जिसके बाद उन्होंने लिखित में पुलिस को शिकायत दी थी। महिला अधिवक्ता का आरोप है कि उन्होंने रात में एसपी को भी फोन किया, लेकिन उन्होंने रिसीव नहीं किया। ऐसे में कैसे महिलाओं को सुरक्षित कहा जा सकता है। महिला अधिवक्ता का कहना है कि पुलिस ने लिखित शिकायत लेकर केस दर्ज नहीं किया। एफआइआर के इंतजार में शाम तक रोहतक में रुकना पड़ा। रात में भी डर की वजह से नहीं सो सकी। आरोप लगाया है कि उन पर समझौते के लिए दबाव डाले जा रहे हैं और सर्किट हाउस से भी जबरदस्ती कमरा खाली करा दिया गया।

पुलिस का तर्क, ली जाएगी कोर्ट से राय: पुलिस का कहना है कि शिकायत ले ली गई है, लेकिन अभी तक की जांच में आया है कि ऐसी कोई घटना नहीं हुई है। सीसीटीवी फुटेज में दो पुलिसकर्मी दिखाई दे रहे हैं, जिनकी पहचान भी हो चुकी है। वह भी सर्किट हाउस में रुके हुए थे। उन्होंने ही गलती से दरवाजा खटखटा दिया था।

मोक्षदा एकादशी का अनुष्ठान

उत्तर प्रदेश में मंदिरों की पावन नगरी वाराणसी में रविवार को गंगा नदी के राजा घाट पर मोक्षदा एकादशी के अवसर पर अनुष्ठान करते श्रद्धालु। विष्णु पुराण के अनुसार, मोक्षदा एकादशी का व्रत अन्य 23 एकादशियों पर उपवास रखने के बराबर है। इस एकादशी का पुण्य पितरों को अर्पण करने से उन्हें मोक्ष की प्राप्ति होती है। प्रेट्र

छत्तीसगढ़ में जमानत पर छूटे आरोपित ने युवती को मार डाला

नईदुनिया, कोरबा : उत्तर प्रदेश के उन्नाव में दुष्कर्म पीड़िता को जिंदा जलाने की खबरों के बीच छत्तीसगढ़ के कोरबा में भी इसी तरह की घटना सामने आई है। कोरबा के बुधवारी बस्ती में रहने वाली 32 साल की एक महिला की सिरफिरे प्रेमी ने जमानत पर छूटने के बाद हंसिया से हत्या कर दी। दो दिन तक जीवन के लिए जूझ रही युवती ने रविवार को दम तोड़ दिया। पुलिस के अनुसार मूलतः मुंगेली के लोरमी की रहने वाली 32 वर्षीय युवती को उसके पति ने त्याग दिया था। वह इन दिनों कोरबा के बुधवारी बस्ती में रहती थी। पुलिस के अनुसार लोरमी में ही रहने वाले ईंद्रपाल टोंडे (40) पुत्र श्यामसुंदर से उसकी पुरानी जान पहचान थी। वह भी पत्नी से अलग रह रहा था। ईंद्रपाल महिला से एक तरफा प्यार करने लगा। चोरी छिपे उसने महिला की नहाते समय वीडियो बना ली और दबाव बनाने लगा। युवती के न मानने पर उसने सोशल मीडिया में वीडियो वायरल कर दिया। इस मामले में पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने ईंद्रपाल को पखवाड़ा भर पहले जेल भेजा था। दो दिन पहले जेल से जमानत पर छूटने पर उसने हंसिया से वार कर युवती की हत्या कर दी।

तैयारी

उमा भारती सरकार ने एक दर्जन से ज्यादा विभागों की 36 अधिसूचनाएं की थी निरस्त, जिला योजना समिति के सदस्यों की संख्या हर जिले में होगी 20

मप्र में फिर लागू होगा जिला सरकार मॉडल

भोपाल, स्टेट ब्यूरो

2004 में मध्य प्रदेश की तत्कालीन उमा भारती सरकार ने जिला सरकार मॉडल को खत्म करने के लिए जिन 36 अधिसूचनाओं को निरस्त किया था, कमलनाथ सरकार उन अधिसूचनाओं को फिर वजूद में लाने जा रही है। प्रदेश के योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी मंत्री तरुण भनोत ने जिला योजना समितियों को सशक्त बनाने के लिए समिति को वित्तीय और प्रशासनिक अधिकार देने की मंशा से विभागों से अधिकार दिलवाने की अधिसूचनाएं जारी कराने का अध्ययन कराया है। वहीं, विधानसभा के शीतकालीन सत्र में मप्र जिला योजना समिति अधिनियम 1995 में संशोधन विधेयक भी प्रस्तुत करने की तैयारी है। इसमें जिला योजना समिति के सदस्यों की संख्या को 20 करना प्रस्तावित है। सूत्रों के मुताबिक कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद ही मुख्यमंत्री कमलनाथ ने जिला सरकार मॉडल को फिर लागू करने का सैद्धांतिक फैसला कर लिया था। इसके लिए योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग की पहल पर मुख्य सचिव सुधिरंजन मोहंती ने सभी विभागों के साथ दो बार बैठक की। इसमें उन्होंने जिला योजना समितियों को फिर सशक्त बनाने के निर्देश दिए। इसके मद्देनजर विभाग ने जो निर्देश दिए, उसमें 2004 में एक दर्जन से ज्यादा विभागों की जिन 36 अधिसूचनाओं को निरस्त किया गया था, उन्हें फिर से वजूद में लाने की प्रक्रिया करने की बात नहीं थी। इस वजह से आज तक किसी विभाग ने इस दिशा में कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। विभाग की ओर से जब जिला सरकार के गठन को लेकर कार्रवाइयों की समीक्षा की गई तो यह बात सामने आई कि किसी भी विभाग ने निरस्त अधिसूचनाओं की बहाली के लिए कोई पहल ही नहीं की। इसके बिना समितियों को अधिकार संपन्न बनाया ही नहीं जा सकता है।

15 से ज्यादा विभागों के थे अधिकार: विभागीय अधिकारियों का कहना है कि पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने सत्ता के विकेंद्रीकरण के लिए जिला सरकार के माध्यम से जिलों को हर तरह के अधिकार दिए थे। इसमें प्रशासनिक से लेकर वित्तीय अधिकार तक थे। इसके लिए पशुपालन, वाणिज्यिक कर, उद्योग, सहकारिता, संस्कृति, वित्त, धर्मस्व, राजस्व, ग्रामोद्योग एवं कुटीर उद्योग, स्कूल शिक्षा, सामाजिक न्याय, खेल एवं युवा कल्याण, तकनीकी शिक्षा व कौशल विकास, परिवहन, आदिम जाति कल्याण और नगरीय विकास एवं आवास विभाग के अधिकार दिए गए थे।

मुख्यमंत्री की मंशा है जिलों के काम जिले में निपटें: भनोत

मध्य प्रदेश के वित्त, योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी मंत्री तरुण भनोत का कहना है कि मुख्यमंत्री कमलनाथ की मंशा है कि जिलों में होने वाले कामों के लिए लोगों को प्रदेश मुख्यालय तक नहीं आना चाहिए। छोटी-छोटी जरूरतें वहीं पूरी हो जानी चाहिए। इसके लिए जिला योजना समितियों को वैसे ही अधिकार दिए जाएंगे, जो पहले कांग्रेस सरकार में हुआ करते थे। मौजूदा परिस्थितियों के हिसाब से इन्हें और बेहतर बनाया जा रहा है।

गुलदार ने तीन दिन में ली दूसरी जान

जागरण संवाददाता, कोटद्वार : कोटद्वार के बीरोंखाल में रविवार को गौशाला के बाहर खड़े मासूम को गुलदार ने अपना शिकार बना लिया। मासूम का शव गांव से करीब सौ मीटर दूर मिला है। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है। इससे पहले शुक्रवार को रुद्रप्रयाग में एक महिला को गुलदार ने निवाला बनाया था। घटना शाम करीब सवा छह बजे की है। देवकुंडई निवासी अनिकेत मां के साथ गोशाला गया था। मां गोशाला के भीतर गाय का दूध निकाल रही थी, जबकि अनिकेत बाहर खड़ा था। इसी दौरान अनिकेत पर गुलदार ने हमला कर दिया। अनिकेत का शोर सुनकर जैसे ही उसकी मां गोशाला से बाहर आईं, गुलदार अनिकेत को घसीटते हुए झाड़ियों की तरफ ले गया। काफी तलाश के बाद अनिकेत का शव गोशाला से करीब सौ मीटर दूर मिला। गढ़वाल वन प्रभाग के डीएफओ लक्ष्मण सिंह रावत ने बताया कि गुलदार के हमले की सूचना मिलते ही वन कर्मियों को मौके पर भेज दिया गया है।

सबरीमाला में श्रद्धालुओं का आना जारी, आय 69 करोड़ के पार पहुंची

2018-19 के तीर्थयात्रा सत्र में इसी अवधि के मुकाबले 27 करोड़ रुपये ज्यादा है राजस्व

सबरीमाला, प्रेट्र : सबरीमाला में भगवान अयप्पा मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी है। दो महीने तक चलने वाले तीर्थयात्रा सत्र के पहले 20 दिनों में ही मंदिर की आय 69 करोड़ रुपये के पार पहुंच चुकी है।

तीर्थस्थल की देखरेख करने वाले त्रावणकोर देवस्वम बोर्ड (टीडीबी) ने कहा है कि छह दिसंबर तक राजस्व 69.39 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। यह 2018-19 के तीर्थयात्रा सत्र में इसी अवधि के मुकाबले 27 करोड़ रुपये ज्यादा है। टीडीबी सदस्य विजयकुमार ने कहा कि पूर्व के सत्र में इस अवधि के दौरान राजस्व 41.84 करोड़ रुपये था। अरवना प्रसादम की बिक्री 28.26 करोड़ रुपये तक पहुंच चुकी है। पूर्व की अवधि में इस मद में 4.2 करोड़ रुपये की बिक्री हुई थी। हुंडी से 23.58 करोड़ रुपये जमा हो चुके हैं।

पिछले वर्ष 28 सितंबर के सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लागू कराने के मामला की अगुआई वाली वाम मोर्चा सरकार के निर्णय के बाद मंदिर परिसर और राज्य के विभिन्न हिस्सों में अप्रत्याशित विरोध प्रदर्शन हुए थे। सुप्रीम कोर्ट ने सभी उम्र की महिलाओं को मंदिर में पूजा की अनुमति दी है।

इस साल सरकार ने शीर्ष कोर्ट के निर्देश पर 10 से 50 साल की महिलाओं को पुलिस सुरक्षा मुहैया कराने का फैसला किया है। कुछ महिला कार्यकर्ताओं ने शीर्ष अदालत में याचिका दायर कर सुरक्षा मुहैया कराने की मांग की थी।

मासिक धर्म की आयु वाली महिलाओं के मंदिर में प्रवेश का विरोध करने वाले श्रद्धालुओं के कारण इस साल भी भूमाता ब्रिगेड की नेता तृप्ति देसाई को कोच्चि से सुप्रीम कोर्ट के पास लौटना पड़ा। सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए पुलिस ने भी उ